बिल्ली और मगर

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र है। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा न करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।
- एक गतिविधि से कई दक्षताएँ विकसित की जा सकती हैं। गतिविधियां इस प्रकार से कराएँ कि पाठ्यक्रम की कई दक्षताओं का विकास हो सके।

गतिविधियाँ

- पन्ने पर बनी आकृतियाँ क्रम से धूल या रेत में उंगली या तिनके से बनाना। पट्टी पर बनाना।
- आकृतियाँ कंकड़, तीली, धागे के टुकड़े आदि से बनाना और गीली मिट्टी से बनाना।
- ऐसी और तरह की आकृतियाँ बनाना, तख्ते पर शिक्षक बनाएँ और बच्चे उतारें।
- इन आकृतियों से चित्र बनाना, जैसे बिल्ली, मगर आदि बने हुए हैं। इनसे कहानी बनाना, चर्चा करना।
- बिल्ली, मगर, कछुआ के कार्ड ढूँढना और उन्हें देख कर नाम लिखना। और जानवरों के कार्ड ढूँढना।
- आसपास की चीज़ों से बच्चों को नई-नई चीज़ें बनाने, पैटर्न बनाने के लिये प्रोत्साहित करना।
- बच्चे अपने आसपास- घर, पेड़, कपड़े आदि पर पैटर्न देखें, अक्षर व शब्द में पैटर्न देखें (जैसे द और ट में, दीवार की ईंट, खिड़की के सींकचों आदि का पैटर्न)।

नोट - इस पन्ने पर सुझाई गई गतिविधियों में ठोस वस्तुओं व उंगलियों से काम महत्वपूर्ण है।

इस पन्ने पर कौन-सी गतिविधि कब कराई?

दिनांक	गतिविधियाँ	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर कौन-सी नई गतिविधियाँ बनाई व कराई? (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को किन गतिविधियों में ज़्यादा मज़ा आया किन में दिक्कत आई?

बिल्ली और मगर

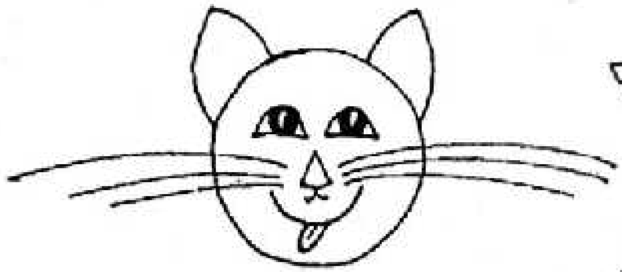

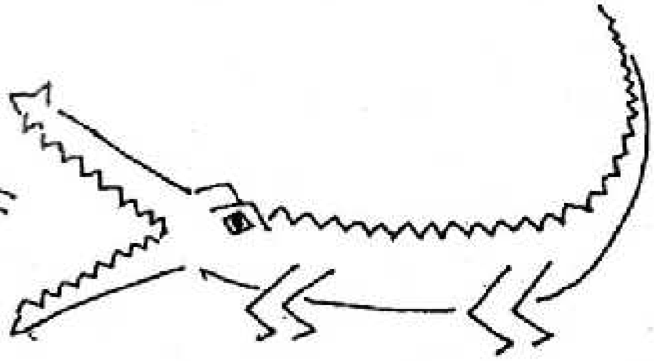

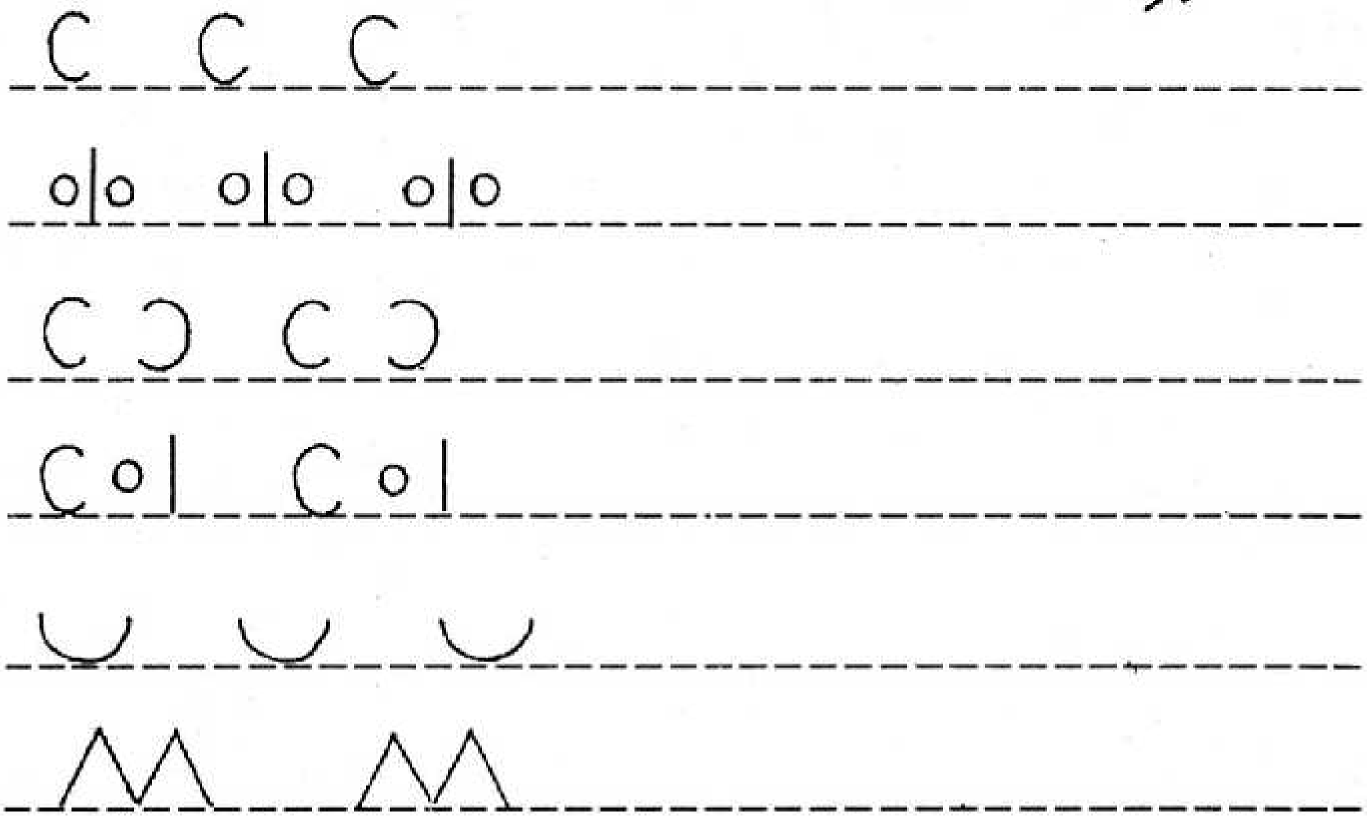

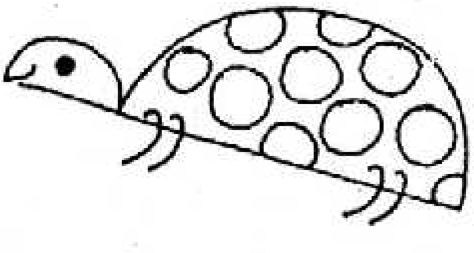

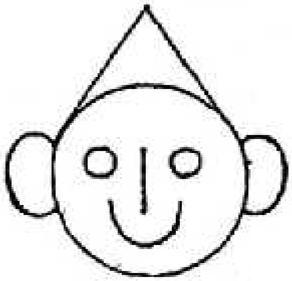

कछुआ जी और जोकर

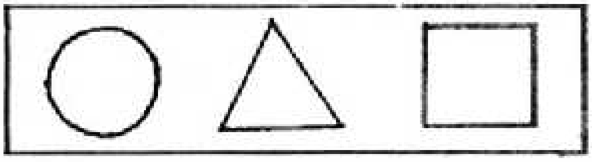

चलो सैर पर

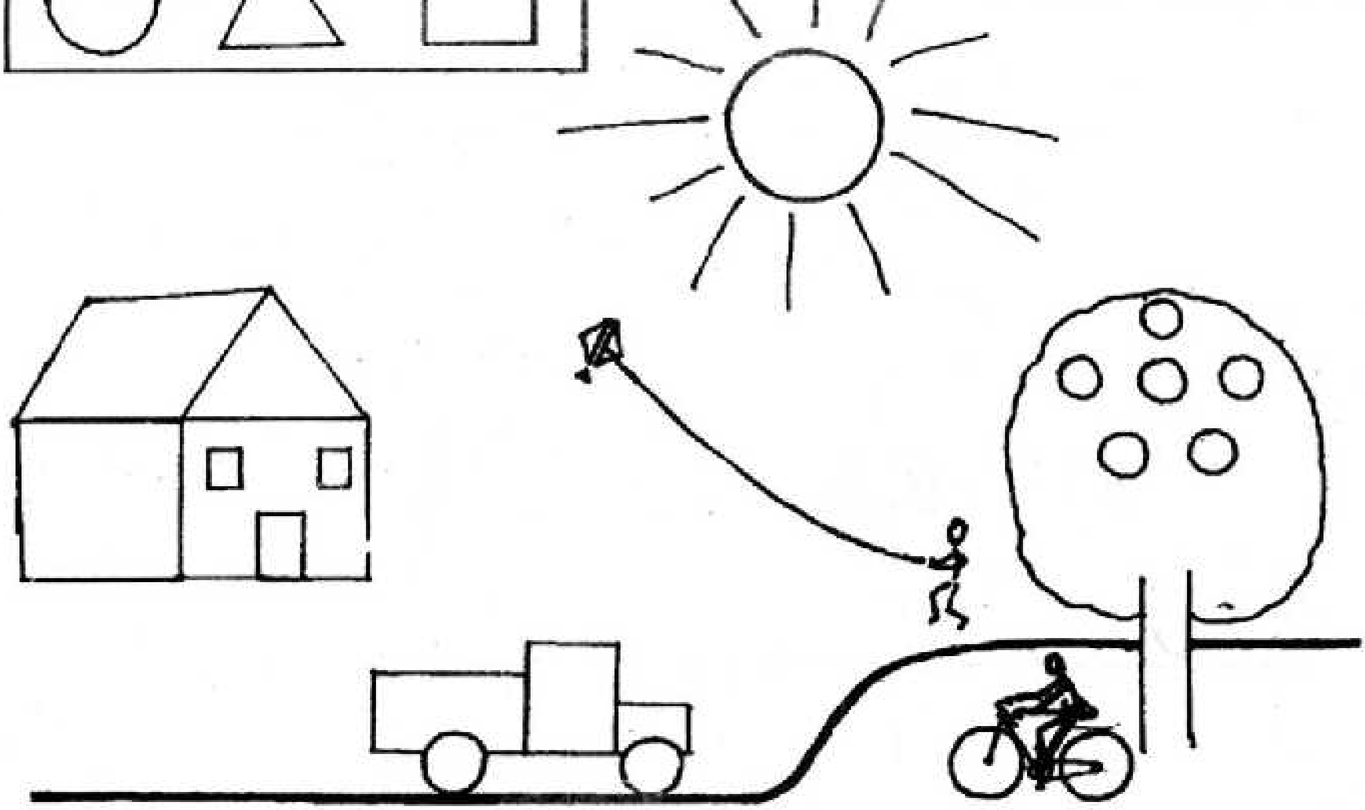

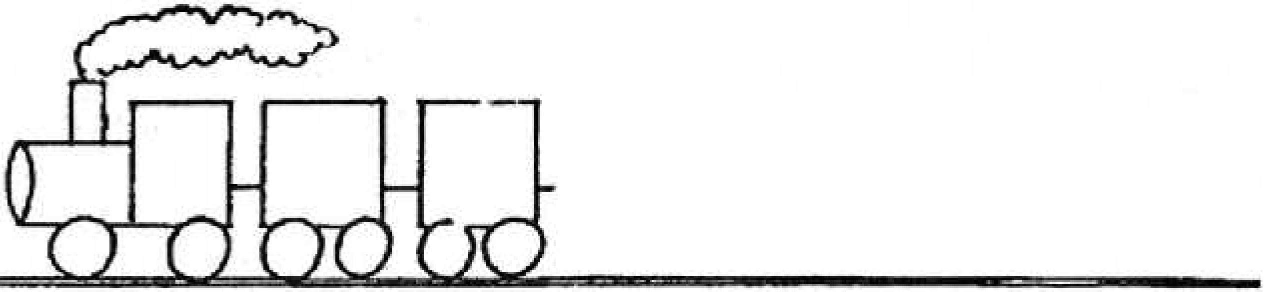

छूटे डिब्बे, अटकी रेल
बनते डिब्बे, भगती रेल

छूट - छूटे - छूटते
बन - बने - बनते

अटक - अटकी - अटकती
भग - भगी - भगती

चलो सैर पर

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र हैं। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा न करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- चित्र पर चर्चा/कहानी। पेड़ पर क्या लगे हैं? (कौन-कौन से फल हो सकते हैं?)
- गोल, चौकोर, तिकोन ढूँढो। ऊपर वाले गोल, चौकोर, तिकोन में अलग-अलग रंग भरना। फिर चित्र के गोल, तिकोन, चौकोर में वही रंग भरना जैसे गोल में लाल, तिकोन में हरा आदि।
- गोल, तिकोन, चौकोर गिनना। कौन से सबसे अधिक हैं? कितने अधिक? छोटी-बड़ी आकृति अंगुल से नापना।
- खपरे, पत्ती, कागज़ से आकार बनाना फिर उनके चित्र बनाना।
- रेल पूरी करना, फिर डिब्बों पर 1, 2, 3 क्रमवार लिखना।
- रेल का खेल; बच्चे डिब्बे बन कर जुड़े व छूटें। माचिस की डिब्बी की रेल बनाना और लाईन पर चलाना।
- कविता में आये शब्दों की पहचान।
- नीचे दिये गये शब्द बोलना। ऐसे और शब्द समूह बनाना जैसे हट-हटे-हटते, रुक-रुकी-रुकती। तुकबन्दी वाले शब्द जैसे अटकी, सटकी, लटकी। अक्षर-कार्डों को मिलाकर ये शब्द बनाना।
- संबंधित चर्चा जैसे यातायात के साधनों पर।

नोट - आकारों को नाम देने पर जोर न दें, विभेद करने की अपेक्षा पहले करें। अन्य आकृतियों से भी चित्र बनवाएं।

इस पन्ने पर आपने कौन-सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन-सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं? (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन-सी गतिविधियों में ज़्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

तितली आई फूल पर

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र है। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा न करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ-

- कविता एक्शन के साथ करना। याद करना।
- तितली का रोल प्ले। तितली, फूल, पेड़,पर बातचीत।
- कविता के शब्दों पर उंगली रखकर पढ़ना।
- शब्द पहचान; हर लाईन के पहले व आखिरी शब्द और बार-बार आने वाले शब्दों को ढूँढना।
- शब्द बदल कर पढ़ना जैसे ***चिड़िया*** **आई पेड़** पर आदि।
- बार-बार आने वाले अक्षरों की (बिना मात्रा व मात्रा वाले जैसे त-ति, ल-ली आदि) पहचान, अक्षर व मात्रा-कार्ड की सहायता से।
- समान शब्द बोलना; जैसे ली से अंत होने वाले।
- वाक्य पहचान; जैसे***तितली आई फूल पर*** ढूढो।
- अक्षरों से शब्द बनाना। इस पाठ से व पहले से सीखे अक्षरों से।
- नीचे दिये गये शब्दों में से ढूँढना कि कौन से शब्द कविता में आये हैं। उन्हें ध्वनि का अंतर करते हुए बोलना। ऐसे और शब्द बोलना। शिक्षक तख्ते पर लिखे, बच्चे ढूँढें।

नोट- इस पन्ने पर विशेषतः ध्वनि व पढ़ने पर ज़ोर दें।

इस पन्ने पर कौन-सी गतिविधि कब कराई?

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने और कौन-सी नई गतिविधियाँ इस पन्ने पर बनाई व कराईं?(संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को किन गतिविधियों में ज़्यादा मज़ा आया? किसमें दिक्कत आई?

तितली आई फूल पर

फड़ फड़ करते अपने पंख
तितली आई फूल पर ।
ऊपर नीचे नीचे ऊपर
तितली आई फूल पर ।
काटे पत्ते डाली के संग
हिला हिलाकर अपने पंख
ऊपर नीचे नीचे ऊपर
तितली आई फूल पर ।

पंख पंखा	डाल डाली	नीचे नाचे
फड़ फाड़	हिल हिला	काटे कांटे
पर पार		फल फूल

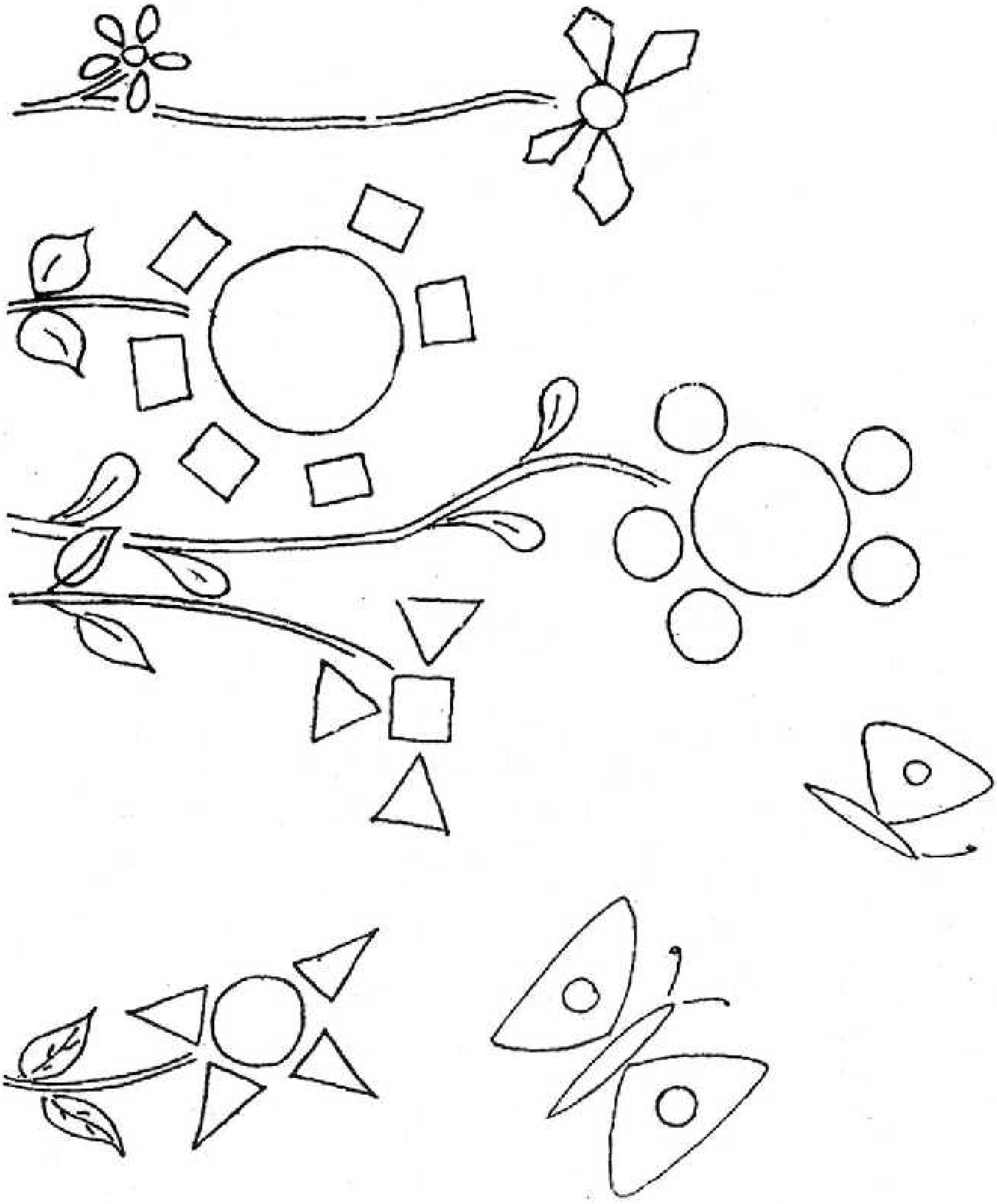

चित्र (पृष्ठ 7)

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र हैं। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।

- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।

- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।

- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा न करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ

- चित्र पूरा करें। चित्रों के नाम लिखें।
- इस तरह के और चित्र कंकड़, पत्ती, खपरे, तीली, धूल आदि से बनाएँ।
- गोल, त्रिकोण, चौकोर आदि गिनें। कौन से अधिक हैं? फूल-पत्ती आदि भी गिनें, लिखें।
- बड़े-छोटे फूल, गोल, तिकोन आदि पर चर्चा। लंबे-छोटे पौधे, बड़ी-छोटी तितली ऊंगली, बित्ते से नापें।
- चित्र पर कहानी। चित्र में और बातें जोड़ें। और चित्र बनाएँ।
- अलग-अलग आकृतियों के बराबर आकार पत्ती या खपरे से बनाना। फिर क्रम में जमाना; छोटे से बड़ा, बड़े से छोटा।

नोट - इस पन्ने में आकार, मात्रा, ठोस वस्तु और गिनने पर ज़ोर है।

- बच्चों के लिये आकार का नाम देकर आकार चुनना ज़्यादा आसान है बनिस्बत आकार दिखाकर उसका नाम पूछना।

- बड़ा-छोटा, लंबा-छोटा आदि बच्चे ठोस वस्तुओं के संदर्भ में जानते हैं। इन्हीं अवधारणाओं को चित्र के संदर्भ में उपयोग करना अवधारणा के विकास के लिए ज़रूरी है।

इस पन्ने पर कौन-सी गतिविधि कब कराई?

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने और कौन-सी नई गतिविधियाँ इस पन्ने पर बनाईं व कराईं?(संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को किन गतिविधियों में ज़्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?